प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में देश का 75वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

पंतनगर। 27 जनवरी 2024। विश्वविद्यालय में देश का 75वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने प्रातः 9:00 बजे विश्वविद्यालय के अधिकारियों की उपस्थिति में कुलपति आवास तराई भवन पर ध्वजारोहण किया तदोपरान्त 9:25 बजे गांधी मैदान में भारी संख्या में उपस्थित शिक्षकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के मध्य ध्वजारोहण किया और देश की एकता व बंधुता को बनाये रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने असंख्य शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया जिनके बलिदानों की नींव पर भारत स्वतंत्र रूप से खड़ा है।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में डा. चौहान ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं प्रगति के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का हरित क्रांति में सर्वाधिक योगदान रहा है और देश में खाद्यान्न वृद्धि में लगातार अग्रसर है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न फसलों की 346 किस्में विकसित की गयी हैं। विश्वविद्यालय से 44112 छात्र–छात्राएं डिग्री हासिल करके देश एवं विदेशों में उच्च पद पर आसीन होकर देश की सेवा कर रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा 300 से अधिक तकनीकियां विकसित की गयी है और 50 से अधिक पेटेंट प्राप्त किये गये है। विश्वविद्यालय के शोध एवं प्रसार कार्यक्रमों से 50 लाख से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं। विश्वविद्यालय में हर साल 4700 से ज्यादा विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं और साल में दो बार किसान मेला आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि यह अमृतकाल का दौर चल रहा है और हमारे सामने सन् 2047 का लक्ष्य रखा गया है, जिससे हमारा देश विकासशील देश से विकसित देश के रूप में जाना जाए। इसके लिए विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र में योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की पिछले छः महीने की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि 35वें दीक्षांत समारोह में भारत की माननीय राष्ट्रीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के कर–कमलों से विद्यार्थियों को उपाधियां दी गयीं। उन्होंने बताया कि किसान मेला में लगभग 45 हजार किसानों ने प्रतिभाग किया, जोकि एक रिकार्ड रहा है। 225 विद्यार्थियों हेतु जनरल विपिन रावत छात्रावास का लोकार्पण मुख्यमंत्री माननीय श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में ई–आफिस एक जनवरी से लागू किया जा चुका है, जोकि एक सराहनीय कार्य है। विश्वविद्यालय को एग्रीकल्चर टूडे ग्रुप की ओर से वर्ष 2023 के लिए एकेडेमिक लीडरशिप अवार्ड मिला है। विश्वविद्यालय के नाहेप के द्वारा आईसीएआर के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें फैकल्टी का कैपिसिटी बिल्डिंग, इडस्ट्री मीट, न्यू इंटरप्रिन्योरशिप, स्टार्टअप आदि रहे। विश्वविद्यालय को हाल ही में आईसीएआर के द्वारा साहीवाल ब्रीड कजर्वेशन आवार्ड मिला है। उन्होंने आह्वान किया कि विश्वविद्यालय के सभी कर्मी देशहित में अपना योगदान दें और देश को आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान करें। डा. चौहान ने अन्य सभी इकाईयों द्वारा भी सराहनीय कार्य करने के लिए बधाई दी एवं भविष्य में भी सार्थक सहयोग की अपेक्षा की। 'जय हिन्द' के तीन बार उद्घोष, जिसे उपस्थित जनों ने दोहराया, के साथ कुलपति ने अपने उद्बोधन का समापन किया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा अनुभाग में कुलपति इलेवन एवं रजिस्ट्रार इलेवन के मध्य क्रिकेट मैच खेला गया, जिसमें कुलपति इलेवन ने रजिस्ट्रार इलेवन को हराया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक आदि उपस्थित थे।

कुलपति आवास तराई भवन पर गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण के उपरांत तिरंगे को सलामी देते कुलपति डा. मनमनोहन सिंह चौहान।

विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस पर विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य को सम्बोधित करते कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान।